आचार्य श्री तुलसी 97 वां जन्मदिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया

जोधपुर,7 नवम्बर,2010

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा जोधपुर के तत्वाधान में आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वी श्री कमला प्रभा जी के सानिध्य में अणुव्रत अनुशास्ता राष्ट्र संत आचार्य श्री तुलसी का 97 वां जन्मदिवस अणुव्रत दिवस के रूप में तेरापंथ भवन में मनाया है। श्री तुलसी मानवीय मूल्यों के प्रतिष्ठाता चरित्र उन्नयन के सूत्रधार और मानवता के मसीहा के रूप में जाने–पहचाने जाते थे। आचार्य तुलसी ने मानव जाति को सही पथ दिखाया! मानवीय मूल्यों की स्थापना करना, मानवता की सेवा करना, यही उनका पवित्र अनुष्ठान था।

आचार्य तुलसी परमार्थ दृष्टा ऋसि और धर्मगुरू थे। जिन्होंने एक सम्प्रदाय विशेष के आचार्य होते हुए समूची मानव जाति के हित में राष्ट्रव्यापी कार्य किया। एक पंथ विशेष के मंच से इतना व्यापक कार्य करने वाले संभवतः प्रथम धर्माचार्य थे।

इस अवसर पर साध्वी ललित कलाजी, साध्वी योग प्रभा जी, साध्वी मंजुला जी ने अनेक संस्मरणों के माध्यम से कृतज्ञता ज्ञापित की। अणुव्रत सेवी कानराज सालेचा, निखिल महता तथा अनेक वक्ताओं ने अपने–अपने विचार व्यक्ति किये। कार्यक्रम का संचालन तेरापंथी सभा केजोधपुर के सचिव श्री पूनम मेहता ने किया संयोजककीय वकत्वय देते हुए बताया की आचार्य श्री तुलसी का संमग्र जीवन 20 वीं सदी का आध्यात्मिक उत्क्रान्ति का अभिन्न अंग बन गया है। अणुव्रत और प्रेक्षा ध्यान आचार्य तुलसी की सृजन चेतना के अमृत स्त्रोत है।